

20/7/19

काशिम

आज यह पक्षपत्रि वधि के शर्पना पत्रपर
दृष्टर सैतल्लव डेकत फेज इष्टी वधि इत्य
शर्पना पत्र के यह निवेदन सिद्ध है कि
उनका परिवारगत से शर्पनामात्र है मय
है अब कोई विवाद नहीं है २ सं. लियुक्त
शब्द को आगे न चलका जाइए
कारना याइल है। अरु वधि की शर्पना
पर शवा वारी इसी लेज रा जाइए
सिद्ध जाता है पक्षपत्रि फेज सुमार
दोकर बाद रफमील डाकिल दखर
है। हुक्म सुमाया बापा

उपखण्ड अधिकारी
राजाखंड (धौलपुर)

[Faint, mostly illegible handwritten text in the lower half of the page, possibly bleed-through or secondary notes.]